Regarding need to recruit faculties in veterinary colleges under Maharashtra Animal and Fishery Sciences University and ensure compliance of norms of VCI and ICAR-Laid

डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे (लातूर) : मैं महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (MAFSU) से संबंधित मुद्दे को सरकार के समक्ष रखना चाहता हूँ । महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय (MAFSU) के अधीन पशुचिकित्सा और दुग्ध प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों में लगभग 60% पद रिक्त पड़े हैं और प्रोफेसर के 64 पदों में से 62 खाली हैं । यह किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे पशुपालन क्षेत्र की तबाही का संकेत है । 2018 के बाद कोई भर्ती नहीं हुई है और लगातार सेवानिवृत्तियाँ हो रही हैं । आज हाल यह है कि सिर्फ 40% स्टाफ पूरे राज्य की पशुचिकित्सा शिक्षा को संभाल रहा है । यह शैक्षणिक ढाँचे का पतन है । VCI और ICAR जैसे सर्वोच्च निकाय 100% फैकल्टी अनिवार्य बताते हैं । इसके बावजूद महाराष्ट्र सरकार ने 30 सितंबर 2022 के अपने शासन-निर्णय में सिर्फ 50% पद भरने की अनुमति देकर संकट को और बढ़ा दिया । यह निर्णय न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि महाविद्यालयों की मान्यता खतरे में डालने वाला भी है । अतः मैं माननीय पशुपालन एवं डेयरी केंद्रीय मंत्री से यह मांग करता हूँ कि महाराष्ट्र में पशुचिकित्सा महाविद्यालयों की 100% फैकल्टी भर्ती तुरंत शुरू की जाए तथा VCI और ICAR के सभी मानकों का तत्काल अनुपालन किया जाए ।